



■ किसी महिला को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूत नहीं किया जा सकता - 7



■ मौद्रिक नीति से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा - 10



■ अरोरिका ने दी अपने नागरिकों को तुरंत ईरान को छोड़ने की घोषणा - 11



■ ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासंग्रह में भारत खिताब का सबसे प्रबल दावेदार - 12



24.0°  
अधिकतम तापमान  
11.0°  
न्यूनतम तापमान  
सूर्योदय 06.57  
सूर्यास्त 05.57

फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:54 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत् 2082

# परीक्षा बोझ नहीं, अंकों के बजाय बेहतर जीवन पर ध्यान दें: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री ने बोर्ड परीक्षाओं से पहले शुक्रवार को स्कूली छात्र-छात्राओं का अनेक मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बोझ नहीं समझें और केवल अंकों पर नहीं, बल्कि जीवन बेहतर करने पर ध्यान नहीं दें। मोदी ने यह भी कहा कि परीक्षाएं उत्सव की तरह होती हैं और इनकी खुशी मनाई जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने परीक्षा पेर चर्चा 2026 के नीवें संस्करण में छात्रों से कहा कि

सभी को पूरी लगन से पढ़ना चाहिए एवं रियाएं और सामने आने वाले सभी सुझावों पर विचार करते हुए अपने



● प्रधानमंत्री ने 'परीक्षा ऐ चर्चा' के नीवे संस्करण को किया संबोधित

पढ़ाई जीवन को सफल नहीं बनाती। उन्होंने यहां अपने आवास पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों के एक समूह से कहा, शिक्षा मजबूरी नहीं होनी चाहिए। शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए। हमारी पूरी तरलीनता से पढ़ाई नहीं की है, तो फिर आधे-अधूरे शिक्षा, जीवन को कहीं सफल नहीं बनाने देती। आपके माता-पिता, शिक्षक या साथी क्या कहते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता, खुल पर भरोसा रखिए और सामने आने वाले सभी सुझावों पर विचार करते हुए अपने



## सूर्यवंशी की तूफानी पारी, भारत ने छठा अंडर-19 विश्व कप जीता

हराए। युवा विस्कोटक बल्लेबाज में शानदार 175 रन बनाए। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी के 175 रन की बदौलत अंडर-19 क्रिकेट इतिहास में सबसे भारत ने शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन छठी दिन से हारकर रिकॉर्ड छठी दिन आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खिताब जीता। भारत ने इससे पहले 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में ट्रॉफी अंतर्राष्ट्रीय फाइनल के 115 रन की शतकीय पारी में भारत के दबदबे को दिखाता है। के बावजूद अधिकारक 40.2 ओवर में छौदह वर्षीय सूर्यवंशी ने सिर्फ 80 गेंद 311 रन पर ऑल आउट हो गया।

# रेपोर्ट 5.25% पर स्थिर, ओटीपी फ्रॉड पर अब 25,000 का मुआवजा

## आरबीआई ने एमपीसी की बैठक में लिया फैसला, वृद्धि अनुमान 7.4% किया

मुंबई, एजेंसी

● महांगाई में नरमी और अमेरिका से व्यापार समझौते पर बनी सहमति के कारण नहीं बदला रोपा रेट



कारोबारी वर्ष 2027 में महांगाई अनुमान बढ़ाया संटल बैंक ने माना है कि आने वाले महीनों में महांगाई के अनुमान से थोड़ी ज्यादा रह सकती है। कोर्न गांगाई काबू में रह सकती है, वैश्वक हालात की महांगाई के लिए बड़ा खारा बताया गया है। कारोबारी साल 2027 की फहली तिमाही के लिए महांगाई का अनुमान पहले 3.9 फीसदी था, जिसे दबाकर 4 फीसदी किया गया है। वहां दूसरी तिमाही के लिए अनुमान फल 4 फीसदी था, जिसे 4.2 फीसदी कर दिया गया है। यानी आने समय में महांगाई बढ़ेगी।

बिना गारंटी वाले लोन की सीमा 20 लाख की आरबीआई ने एप्रैल-मई संबंदर को बढ़ावा दिया है। अब बिना गारंटी मिलने वाले लोन की सीमा दोगुनी होकर दीस लाख रुपये करता है। इस फैसले से छोटे कारोबारियों की कोर्केंट, मरीजों और दिजिटल बदलों के लिए आसान फल 4 लाख लोगों में ताकिंक विसंगति पाई गई, जो ज्यादा भरोसे से सहकारी ग्राहकों को रसात खुलेगा। अर्थव्यवस्था व रोजगार पर इसका सीधा काफी लाभ।

मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसले की बोधांती की थी।

केंद्रीय बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रोपे दर को 5.25 प्रतिशत पर कायम रखने का निर्णय लिया। इसके साथ आरबीआई ने अपने तटश्च रुद्ध को बरकरार रखा, जिसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीता कटौती है। दिसंबर में हुई पिछली बैठक में आरबीआई ने ग्रामीण ब्याज दर

में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्पदी और सामान के साथ व्यापार समझौते के सफल अंवर्यवस्था के लिए शुभ समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए ज्यादा रह सकते हैं। अब चालू वित्त वर्ष में महांगाई का अनुमान पहले 3.9 फीसदी था, जिसे दबाकर 4 फीसदी किया गया है। वहां दूसरी तिमाही के लिए अनुमान फल 4 फीसदी था, जिसे 4.2 फीसदी कर दिया गया है। यानी आने समय में महांगाई बढ़ेगी।

नई रूपरेखा लाने की घोषणा की। मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष के लिए अंतिम द्विमासिक नीति की घोषणा करेंगे। यह बदल रही दिल्ली वाले चालू वित्त वर्ष के लिए ज्यादा रह सकती है। मार्च में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए ज्यादा रह सकती है। मैरिंग (गणना) कार्म के दोरान एक करोड़ 4 लाख लोगों में ताकिंक विसंगति पाई गई, जो ज्यादा भरोसे से सहकारी ग्राहकों को रसात खुलेगा। अर्थव्यवस्था व रोजगार पर इसका सीधा काफी लाभ।

यूपी में एसआईआर की समय सीमा बढ़ी, अब 10 अप्रैल को प्रकाशित होगी अंतिम सूची

लखनऊ। यूपी में मतदाता सूची के प्रसाइडरीआर को लेकर चुनाव आयोग ने दावे और आपत्तियों दर्ज कराने की समय सीमा बढ़ा दी है। अभी तक यह सीमा छह फरवरी थी, अब यह समय सीमा छह मार्च तक रह रहेगी।

● दावे और आपत्तियों 6 मार्च तक मैरिंग नोटिस 27 मार्च तक

मैरिंग से जुड़े सभी नोटिसों की प्रक्रिया अब 27 फरवरी की बजाय 27 मार्च तक पूरी की जाएगी। अंतिम मतदाता तक रहेगी। सरकार ने लापरवाही बरतने वाले जल बोर्ड के तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है। परियोजना पर काम करने वाली कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण कार्य के लिए खोदे गए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के 15 फुट गहरे गहरे में गिरने से एक मोर्टसाइक्लिंग सवार की मौत हो गई। सरकार ने लापरवाही बरतने वाले जल बोर्ड के तीन महीनों से निर्माण स्थल पर काम जारी किया।

पिछले तीन महीनों से निर्माण स्थल पर काम जारी है लैकिंग गड्ढा गुरुवार को खोदा गया था। मृतक की

पहचान कैलाशपुरी निवासी कमल भयानी (25) के रूप में हुई है, जो एक निजी बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। यह घटना नोडा के 2.7 वर्षीय मुआवजा देगा।

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब के खिलाफ सख्त कार्रवाई आयोग ने दावे के लिए ज्यादा भरोसा देता है। यह घटना नोडा सेंटर 150 में से 17 अन्य वर्षीय अधिकारी अधियंता, सहायक अधियंता और निर्वाचित किया गया है। इन तीनों जनवरी की रात को मृता की कार पानी से भर गयी थी। इन्होंने से भर गयी थी।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और कार्यकारी अधियंता आवश्यक है।

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण स्थल पर काम जारी किया और क







**न्यूज ब्रीफ**  
गंदे पानी में ढूबी सड़क  
स्कूली बच्चे और  
नमाजी परेशान

नवाबगंज, अमृत विचार : नगर पालिका परिवर्ती की अंदरीनी के बदल करें की नई बदली के पश्चिमी वार्ष संख्या 10 के हालात दिन-ब-दिन बदलते होते जा रहे हैं। क्षेत्र की सड़कों की स्थिति बदल खराब बताई जा रही है, जिसमें सबसे ज्यादा परेशानी मोती मरिजद की ओर जाने वाले मार्ग पर हो रही है।

इस मार्ग पर लंबे समय से गंदे पानी जमा है, जिससे हाथों और ज़बूरी वाला बुका है। इसी गार्ह से परेशान जाने वाले नमाजियों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों की भी रोजाना निकलना पड़ता है। शुक्रवार के दिन रिश्तिं और गंभीर हो जाती है। बसी वायिसों ने यह भी अपारोग लगाया कि सफाई कर्मियों द्वारा लगाई से जगह-जगह कहूँ कहूँ देर बाद रहते हैं। इससे क्षेत्र में बैमारियों का खोरा बांह दुआ है। मोहल्ले के निवासी मोहम्मद नईम, बबू, यासीन बैटरी, पप्पू और जीम तथा पूर्व सभासद नवी अल्हुद ने नगर पालिका प्रशासन से सड़कों की मरम्मत, सुधूरित जल निकासी और नियमित सफाई व्यवस्था करने की मार्ग की है।

# सास और पत्नी के मामाओं ने खुदकुशी को उकसाया

## मृत युवक के पिता ने लगाये गंभीर आरोप, दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता, भीरगंज

अमृत विचार: थाना शाही के गांव खजुरिया में एक युवक की आत्महत्या के मामले में नवा मोड़ आ गया है। मृतक के पिता बेदाराम ने शाही थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि संतोष ने कारोबार के लिए अपनी सास से गंदे पानी वार्ष संख्या 10 की सास और सास के तीन सागे भाईयों के खिलाफ युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम को गांव खजुरिया निवासी संतोष उम 25 वर्ष का शब जंगल में फेंटे से लटका मिला था। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। गांव में पहले यह चर्चा थी कि संतोष ने कर्ज के बोझ और डिप्रेशन के कारण यह कदम उठाया है।

### प्रेम विवाह के कारण रंजिश मानते थे पत्नी के तीनों मामा

शुक्रवार को मृतक के पिता बेदाराम ने शाही थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि संतोष ने कारोबार के लिए अपनी सास के गमला से डेढ़ लाख रुपये कर्ज लिये थे। कुछ रकम लौटा दी गई थी, लेकिन बाकी रुपये चुकाने में देरी होने पर सास और उसके तीन संगे बाई यानी संतोष की पत्नी के मामा, संतोष को प्रताड़ित करने लगा। पिता ने यह भी बताया कि तहरीर के आधार पर सास कमला और पत्नी के तीन सागे मामा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

4 जनवरी को पत्नी के तीनों सागे

मामाओं ने संतोष के साथ मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी दी। इन घटनाओं के बाद संतोष डिप्रेशन से रहने लगा। बार-बार जान से मारने की धमकी और लगातार प्रताड़ना के कारण संतोष खुद को अपमानित महसूस करने लिये थे। कुछ रकम लौटा दी गई थी, लेकिन बाकी रुपये चुकाने में देरी होने पर सास और उसके तीन संगे बाई यानी संतोष की पत्नी के मामा, संतोष को प्रताड़ित करने लगा। पिता ने यह भी बताया कि तहरीर के आधार पर सास कमला और पत्नी के तीन सागे मामा के खिलाफ संबंधित धाराओं में संतोष ने कर्ज के बोझ और डिप्रेशन के कारण यह कदम उठाया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भौजूद बीएलओं

## सीपीआर देने का तरीका सिखाया

बरेली, अमृत विचार : सिविल डिफेंस की ओर से शुक्रवार के जिला राजकीय पुस्तकालय में छात्रों और शिक्षकों व कर्मचारियों को आपदा में बचाव व सायरन का प्रयोग करने का तरीका सिखाया गया। धायल व्यक्तियों को तत्काल बचाव व सुरक्षित रूप से निकट के अस्पतालों में ले जाने का भी प्रशिक्षण दिया। यदि किसी को काइटिंग अरेस्ट आ गया तो सीपीआर देकर निकट के स्वास्थ्य केंद्र में भेजने की व्यवस्था करना भी सिखाया।



प्रशिक्षण देने एडीसी प्रमोद डामर।

## सुपरवाइजर और बीएलओ को एसआईआर की खामियां दूर करने का प्रशिक्षण



• अमृत विचार

एसडीएम ने फार्म-6 अधिक से अधिक संख्या में प्राप्त करने पर जार देते हुए सभी से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से दायित्वों के निर्वहन के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान एसडीएम उदित पवार ने कर्मचारियों को लेकर शुक्रवार को तहसील सभागार में एक प्रशिक्षण सभा आयोजित किया गया। इसमें सभी सुपरवाइजरों पर व्याख्या देना आवश्यक है। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीआरसी सुपरवाइजरों और बीएलओ के प्रश्नों से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के साथ-साथ एसडीएम ने बायोसाफ्ट की ओर देकर निकट के स्वास्थ्य ही सिखाया।

## आईपीएस अधिकारी बताकर महिला से ठगे 15.30 लाख

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : साइबर डर्गो ने संस्कृक की विधावा को दिल्ली पुलिस का आईपीएस अधिकारी बनकर कॉल किया। कॉल करने वाले ने महिला को बताया कि उनका खाता साइबर डर्गो की विधावा की रकम को ट्रांसफर करने में इस्तेमाल किया गया है। इसके बाद महिला को डरकर कई बार में उससे 15.30 लाख रुपये दर्ज कराया है।

महिला को जब अपने साथ साइबर डर्गो की अहसास हुआ तो उसने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कर दिया है।

इज्जत नगर थाना क्षेत्र के गायत्री नगर गली नंबर 8 की गांव खानों में 20 अगस्त को 5 लाख रुपये, 23 अगस्त को 50 हजार रुपये, 8 सितंबर को 9 लाख रुपये

- साइबर फ्राड में खाता लगा होने की बात कहकर महिला को डराया
- संस्कृक की विधावा की तहरीर पर साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज

अगस्त 2025 को उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस में आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार गौतम बताते हुए कहा कि आपका बैंक खाता प्राइड में इस्तेमाल हुआ है और पुलिस कार्रवाई की बात कहकर कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस का विवाह की रिपोर्ट दर्ज करवाया।

डर की बजह से उसने अपने तीन अलग अलग बैंक खातों से कॉल करने वाले यांत्रिक बैंक खातों में 20 अगस्त को 5 लाख रुपये, 23 अगस्त को 50 हजार रुपये, 8 सितंबर को 9 लाख रुपये

### फर्जी पार्सल और जेल की धमकी देकर महिला से लाखों की साइबर ठगी

हाफिजगंजः साइबर डर्गो ने एक महिला को ज्ञासे में लेकर फर्जी पार्सल के नाम पर लाखों रुपये की टगी कर ली। डर्गो ने महिला को सोने का सामान भेजने का लालच दिया और बाद में पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर उससे लालचा रुपये वसूल। महिला के पति ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर के आधार पर सास कमला और पत्नी के तीन सागे मामा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

- डरी-धमकी महिला ने जेल बैचकर भी टगों को भेज दिये रुपये
- अतिन नम्बर से आयी कॉल को रिसीव करने पर मुकीबत में फर्जी महिला

महिला ने अपना पता साझा कर दिया। कुछ समय बाद जब पारस्पर उसके घर पहुंचा तो महिला ने लेने से इनकार कर दिया। पीड़ितों की तहरीर पर जाच शुरू कर दी है। कोतवाली हाफिजगंज क्षेत्र के एक गांव में विवाही महिला ने थाने में दी शिकायत में बताया कि उसके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने मीठी बातों में उलझाकर कहा कि उसे पारस्पर कर्ज की जागरूकी द्वारा दर्ज कर दिया गया। यह भीषण तरह बताया गया। भरपूर महिला ने बताए कि जागरूकी द्वारा दर्ज कर दिया गया। यह गौशाला से जागरूकी द्वारा दर्ज कर दिया गया। यह गौशाला दलेत नगर में बनाई जाएगी। रविशंकर नम्बहला, दरगाह नासिर मिस्त्री, चौकी चौराहे वाली मास्जिद, बैठक के दीवार के हिसाब से 18 या 19 फरवरी से रमजान की शुरुआत तक इस बार नामीन बांधी की जाएगी। लंबे समय बाद इस बार नामीन बांधी की जाएगी। यह गौशाला दलेत नगर में बनाई जाएगी। रविशंकर नम्बहला, दरगाह नासिर मिस्त्री, सिविल लाइन की मोती मस्जिद, चौकी चौराहे वाली मास्जिद, बैठक के प्रस्ताव पास किए गए हैं। अब जो बीमांशुरी जो डरकर कर दिया गया है, मिलाया नाली खरांजा इंटरलाइनिंग, सीधी रोड, सड़क का निर्माण कराया गया। बैठक का संचालन बीडीओ रमाशंकर संस्करण से हो जाएगा। बैठक में रमाशंकर संस्करण से विवाही द्वारा दर्ज कर दिया गया। यह गौशाला दलेत नगर में बनाई जाएगी। रविशंकर नम्बहला, दरगाह नासिर मिस्त्री, चौकी चौराहे वाली मास्जिद, बैठक के दीवार के हिसाब से 18 या 19 फरवरी से रमजान की शुरुआत तक होगा। यह गौशाला दलेत नगर में बनाई जाएगी। रविशंकर नम्बहला, दरगाह नासिर मिस्त्री, चौकी चौराहे वाली मास्जिद, बैठक के दीवार के हिसाब से 18 या 19 फरवरी से रमजान की शुरुआत तक होगा। यह गौशाला दलेत नगर में बनाई जाएगी। रव





## असहज करते आंकड़े

लोकसभा में पेंस देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के सरकारी आंकड़े भारतीय नागरिक उड़ायन क्षेत्र को लेकर किंचित असहज करने वाले हैं। पिछले 13 महीनों में 377 विमानों में बार-बाबा आने वाली तकनीकी खराबियां तथा आंडिट किए गए लगभग आधे विमानों में दोहराई जाने वाली गड़बड़ियां मिलना चिंता का सबव है। सबाल स्वाभाविक है कि क्या भारतीय विमान यात्रियों की यात्रा असुरक्षित हो चुकी है, इसके पीछे निजी विमान की हाड़ तथा नियामक एजेंसियों की विफलता कितनी जिम्मेदार है?

विमान उद्योग में थोटी-मोटी तकनीकी खामियां सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा मानी जाती हैं। 'रिकिरिंग डिफेक्ट' का अर्थ यह नहीं कि हर उड़ान दुर्घटना के कागज पर है। परंतु जब वही गड़बड़ी बार-बाबा समझे आए, तो यह रख-रखाव, निरीक्षण या प्रणालीय खामी का संकेत हो सकत है, यहीं चिंताजनक है। भारत का नागरिक उड़ायन क्षेत्र पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। सासी हवाई यात्रा और बढ़ती प्रतिश्वर्धा ने यात्री संख्या में भारी वृद्धि की, पर रख-रखाव, अवसंरचना और नियामकीय निगरानी उसी अनुपात में मजबूत नहीं हुई। डीजीसीए जैसी नियामक संस्था को विमानों की नियमित जांच, आंडिट और अनुपालन सुनिश्चित करना होगा, क्योंकि एक ही प्रकार की खराबियों का दुहराव केवल एयरलाइंस की समस्या नहीं, बल्कि निगरानी तत्र की भी परीक्षा है। देखना होगा कि लगातार खराबी के कारण यहाँ है, विमानों का पुराना होगा, जिनमें तकनीकी समस्याओं की आशंका अधिक होती है, या किस प्रतिश्वर्धा की हाड़ में लगात घटाने का दबाव अवसर मरम्मत और स्थर्ये का उपलब्धता का प्रभावित करने के साथ रख-रखाव की गुणवत्ता पर अपर लाड रहा है। इसके अलावा मानव संसाधन और प्रशिक्षण, तकनीकी कर्मियों की कमी या उनकी थकान भी इसकी वजह हो सकती है। हम विमान को जर्मनी पर रख कर राजसन नुकसान के भय से सामान्य गड़बड़ी के बावजूद सीमित उड़ान की अनुमति दे देते हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप में नियामक एजेंसियों काफी कठोर आंडिट और दंडात्मक प्रावधान लागू करते हैं। उदाहरण के तौर पर, बोइंग 737 मैक्स संकट के बाद अमेरिकी नियामक ने पूरे बेड़े को ग्राउंड कर दिया था। यूरोप में भी गंभीर तकनीकी गड़बड़ी पर तकाल उड़ान रोकने का प्रावधान है। भारत में भी ऐसी शक्तियां मौजूद हैं, परंतु उनका प्रयोग जिनकी दृढ़ता से होता है, यहीं मूल प्रश्न है, हालांकि यह कहना अतिशयोक्त होगा कि भारत में हवाई यात्रा व्यापक रूप से असुरक्षित हो चुकी है। परंतु चेतावनी संकेत साफ है।

भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंध अब और जानारिकताओं की सीमाओं से निकलकर आपसी विश्वास, सहयोग और साझेदारी की गहराई तक पहुंच चुके हैं। लगभग 2.9 मिलियन भारतीय मूल के नागरिक मलेशिया में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। यहीं सशक्त डायस्पारा भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्वक मंच पर मजबूती प्रदान करता है। मोदी और अनवर को मूलकात में व्यापार, निवेश, फिफेस, सुरक्षा, डिजिटल और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी जैसे अहम विषयों पर ठोस और दूरागामी नियंत्रण होने की पूरी संभावना है। दसवां इंडिया-मलेशिया सीईओ फोरम इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगा, जहां भविष्य की आर्थिक साझेदारियों की मजबूत नींव रखी जाएगी।

व्यापार के क्षेत्र में यह यात्रा एक निर्णयिक और परिवर्तनकारी मोड़ साबित हो सकती है। मलेशिया का पापम और अंगूष्ठ और गंभीर तकनीकी गड़बड़ी के साथ एक अचूक तरीके द्वारा वाले लोगों को पहाड़ हमेशा से अपनी और आकर्षित करते रहे हैं। आज भी पहाड़ का यह आचरण अदीपी की अपेक्षा और खींच कर मंत्र मुद्रा चक्रिक कर देता है, पर इन सबके बीच सबाल यह है कि हम पहाड़ को क्या दे रहे हैं? बीते वर्षों में पहाड़ पर जाने वालों के एक ऐसा तत्वका उभरा है, जो सबव हमेशा की शांति में खलल डालने लगा है।

पुणी अवधारणा के अनुसार पर्यटन और तीर्थाटन में ज्यादा अंतर नहीं था। सही मायने में तीर्थाटन के मतलब को समझा जाए, तो उसमें काफी दिवकर है, शारीरिक कष्ट शामिल है। उत्तराखण्ड के संदर्भ में तीर्थ यात्रा का मतलब यही दुख और कष्ट था। कल

के हिसाब से पर्यटन का अर्थ था, एक लंबी यात्रा, जिसे गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ लोग कष्टदायक नहीं मानते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। आज पर्यटन और तीर्थाटन दोनों के मतलब बदल गए हैं।

गर्मियों में पहाड़ की ओर प्रस्थान करने का प्रबंध अंग्रेजों ने किया था। वे गर्मियों में अपनी राजधानी को दिल्ली से उठाकर नैनीतल या शिमला ले जाते थे। तब कई जगहों पर तो भारतीयों का प्रवेश एक तरह से बंजित ही

था, लेकिन आजादी की बाद पहाड़ अंग्रेजी

साहबों के कब्जे से आजाद होकर हिंदुस्तानी साहबों के कब्जे में आ गए। बीते 10-15 सालों में पहाड़ पर जाने वाले लोगों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई है। एक नए धनाद्यवर्ग का जन्म दुआ है, जो वीकेंड पर सारे तामाजाम के साथ अपने वैष्वक का प्रदर्शन करने हिल स्टेशन पहुंच जाता है।

पहाड़ तो हमस्या चुप रहते हैं। पता नहीं पहाड़ ऐसे सैलानियों को किसी विषय से देखते हैं या नहीं पर वे पहाड़ को किसी विषय से नहीं देखते हैं। अगर शील नगरी नैनीताल की बात करें, तो अब यह एक क्रांतीकारी बदल यात्रा है। पहले जाड़ों में यहाँ बहुत कम पर्यटक आते थे, पर अब तो साल भर भीड़ रहती है। आज सब कुछ है पर शांत नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

स्थानीय कारोबारियों की बात करें, तो वे करें भी तो क्या करें। पर्यटकों से ही तो उनकी कमाई है, इसलिए वे पर्यटकों के हर नाज-नखे सहने को बाध्य है। होटल वाले खुश हैं कि पर्यटकों की भीड़ है, पर हाइपोड वाले चुप हैं कि उसके क्या हालात हैं। क्या पर्यटकों की गरिमामय जीवन के मूल्यों पर एक तरह से कृठाराघत ही करता है।

नए सैलानी आज अपनी चीजों और पैसों को प्रदर्शन करने ही पहाड़ जाते हैं। पहाड़ क्या चाहता है, उन्हें इससे कोई मतलब नहीं। देखा जाए तो आज पहाड़ों में बचा ही बचा ही है? पेड़ों को काटकर क्रांकी के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। सड़कों की चौड़ी की जगह रही है, ताकि लोग आसान से अपनी महंगी गाड़ियों में बैठकर पहाड़ को रौद सके। अब इससे पहाड़ धंस जाए और भूखलन ज्यादा होने लगे, तो इससे किसी को क्या मतलब। कल क्या होगा इसकी चिंता आज क्यों कर आदी?

स्थानीय कारोबारियों की बात करें, तो वे करें भी तो क्या करें। पर्यटकों से ही तो उनकी कमाई है, इसलिए वे पर्यटकों के हर

नाज-नखे सहने को बाध्य है। होटल वाले खुश हैं कि पर्यटकों की भीड़ है, पर अब तो साल भर भीड़ रहती है। आज सब कुछ है पर शांत नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

स्थानीय कारोबारियों की बात करें, तो वे करें भी तो क्या करें। पर्यटकों से ही तो उनकी कमाई है, इसलिए वे पर्यटकों के हर

नाज-नखे सहने को बाध्य है। होटल वाले खुश हैं कि पर्यटकों की भीड़ है, पर अब तो साल भर भीड़ रहती है। आज सब कुछ है पर शांत नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल बाजार से नीचे उत्तर, तो फैटेक कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

पहाड़ और नाज-नखे की जगह नहीं है। यीन के समय मलीनीतल

है दराबाद धूमने के बाद हमारा अगला पड़ाव तेलंगाना राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर वारंगल था। सड़क मार्ग से लगभग 170 किलोमीटर की दूरी हमने रास्ते में एक जगह रुकते हुए चार घंटे में तय कर ली। वारंगल एक ऐतिहासिक शहर होने के साथ मंदिरों और स्मारकों की भूमि है। इसे किंवदंतियों का शहर भी कहा जाता है। 12वीं से 15वीं शताब्दी के बीच यह काकतीय राजवंश की राजधानी था। वारंगल का गैरवशाली अतीत यहां के स्मारकों में देखा जा सकता है। वारंगल किला, हजार स्तंभों वाला मंदिर, वीरनारायण मंदिर, काकतीय रॉक गार्डन आदि की सैर के बाद हमने घनपुर जाकर कोटा गुल्लू मंदिरों को देखने का निर्णय लिया। यह स्थान वारंगल से करीब 55 किमी दूर स्थित है। स्थानीय भाषा में कोटा गुल्लू का अर्थ 'किले के अंदर मंदिर'

### उत्कृष्ट वास्तुकला

घनपुर गांव उत्कृष्ट काकतीय वास्तुकला वाले कोटा गुल्लू मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां इन मंदिरों का निर्माण 13 वीं शताब्दी के आरंभ में हुआ था। प्रसिद्ध रामपा मंदिर से 12 किमी दूरी पर स्थित ये मंदिर चालुक्य और काकतीय शैलियों के मिश्रण हैं। 14 वीं और 16 वीं शताब्दी के बीच गुल्लू मंदिरों के हमलों तथा 17 वीं शताब्दी में इस इलाके में आए बड़े भूकंप में इन मंदिरों को काफी नुकसान पहुंचा था। यहां जटिल नवकाशीदार लाल बलुआ पत्थर के मंदिर, किलेबंद परिसर और खूबसूरती से डिजाइन किए गए स्तंभों वाले हाल मध्यालीन तेलंगाना के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक-राजनीतिक जीवन की झलक प्रस्तुत करते हैं। इसी कारण यह परिसर इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों के साथ आध्यात्मिक यात्रियों के लिए दर्शनीय स्थल है।

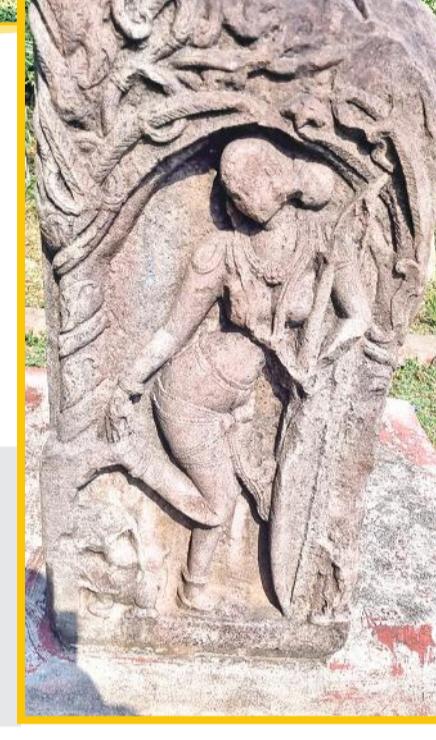


राजिव सदसेना  
वरिष्ठ पत्रकार, नोएडा

## काकतीय विरासत की यात्रा वारंगल और कोटा गुल्लू

### यात्रा का जीवंत केंद्र

मंदिर के लगभग 200 मीटर आगे बहुतों पर शिलालेख वाले पत्थर और मूर्तियां स्थापित हैं। इनमें भगवान शिव और विष्णु के खड़ी भूमि में विभिन्न रूप दर्शाये गए हैं। यहां सबसे खास सभा मंडप के बरामदे हैं। बरामदे के उत्तरी हिस्से में दो मंदिरों के दिखाई देती हैं। पूर्वी और दक्षिणी बरामदे गंग के साथी की कई पौराणिक आकृतियों से सुगोष्ठित हैं, जो हाथी पर सवार आधे मानव-आधे शेर की आकृति हैं और हाथी पर घोड़े के सिर वाले शेर की पीठ हैं। कोटा गुल्लू वारंगल में स्थानीय चमत्कार के साथ पूजा और तीर्थयात्रा की जीवंत केंद्र है। इसपास के जिलों से श्वालु नियोजित रूप से मंदिरों में प्रार्थना करने और स्थानीय अनुष्ठानों में भाग लेने आते हैं।



### 60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम

कोटा गुल्लू में 22 मंदिर हैं, जो आकार और डिजाइन में अलग-अलग होने के साथ काकतीय लोगों का अद्भुत वास्तुशिल्प प्रदर्शित करते हैं। मूँछ मंदिर, गणपेशवरलयम, भगवान शिव को समर्पित है और काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसके गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की पूजा की जाती है। गर्भगृह के सामने 60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम है, जिसमें तीन तरफ से प्रवेश द्वारा और एक बरामदा है। गर्भगृह के द्वारा के चौखंडों पर द्वारपालों और उनके सेवकों की मूर्तियां बनी हुई हैं। मंडपम में दो सिर कटे त्रिविषों की मूर्तियां हैं, जो हाथी पर सवार आधे मानव-आधे शेर की आकृति हैं और हाथी पर घोड़े के सिर वाले शेर की पीठ हैं। मंटप के द्वारा के चौखंडों पर द्वारपालों और उनके सेवकों की मूर्तियां बनी हुई हैं। मंडप की वास्तुकला में जटिल नकाशी और लाल बलुआ पत्थर के द्वारा किया गया है। मूँछ मंदिर के चारों ओर स्थानीय मंदिर हैं, जो हाथी पर देवी-देवताओं, नर्तकियों, संगीतकारों, मदनिकियों, शेरों की सुंदर मूर्तियां बनी हुई हैं। सामने की दीवारों पर देवी-देवताओं, नर्तकियों, संगीतकारों, मदनिकियों, शेरों की सुंदर मूर्तियां बनी हुई हैं।



## कहां गए शांत और सुंदर पहाड़



हरीष अपेती करना  
हव्वानी

पहाड़ पहले कितना शांत, सुंदर और आत्मिक सुख देने वाला हुआ करता थे। हर सुबह पक्षियों की चहचहाहट से खुलती थी, ठंडी हवा की सरसराहट से शरीर में नया जीवन भर जाता था और हर दिशा में हरियाली ऐसे लहराती थी मानो कुदरत खुद हमें आशीर्वाद दे रही हो। तब का जीवन कठिन जरूर था, पर उसमें एक मिठास थी, एक अपनापन था और सबसे बड़ी बात, एक सुरक्षित भविष्य का आभास था। बारिश तब भी होती थी। हम उसे संदाह्न कहते थे।

पहाड़ के चारों ओर बहने वाले गधेरे (छोटे बरसाती नाले) युग्मे से सरसराते हुए बहते थे, जैसे कोई नागिन अपनी पूरी ताकत से अपनी राह बना रही हो। दूर तक फैली पहाड़ियों पर पानी भी ऐसे प्रकृति की बात थी। एक साथ आज भी यही था।

पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है। अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।

अब पहाड़ की आवाज भी आज भी आत्मिक विश्वासी की आवाज है।







आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप 2026 को रिकॉर्ड छठी बार जीतने पर भारतीय टीम का हार्दिक बधाई। पुरुष टीम में अपराजित रहते हुए टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है।

दीपेश मुर्मु, राष्ट्रपति

# स्टेडियम

# अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, शनिवार, 7 फरवरी 2026

## वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में रचा इतिहास

अंडर-19

विश्व कप : सिर्फ 55 गेंदों पर टोका सैकड़ा, 175 रनों के साथ सर्वोच्च स्कोरर भी बने

हररे, एजेंसी

चौदह साल के सूर्यवंशी ने महज 55 गेंद में तीन अंक का आंकड़ा छूकर इस टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। यह अंडर-19 विश्व

कप फाइनल में किसी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है और टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में यह टीम का सबसे बड़ा स्कोर भी है।

सूर्यवंशी ने यह पारी तब खेली जब

इसकी सबसे ज्यादा जरूरती थी। उन्होंने

सिर्फ 32 गेंद में अपना अर्धशतक

पूरा किया और इसी अंदाज में खेलते

हुए दूसरा अर्धशतक सिर्फ 23 गेंद में

बना लिया। उनकी 175 रन की पारी

में से 150 रन सिर्फ बाउंड्री से ही आए

जिसमें 15 छक्के और इन्हें ही छक्के

शामिल थे। इस पारी के दौरान उन्होंने

विपक्षी टीम के गेंदबाजों की पूरी तरह से

धज्जियां उड़ा दी। अब उनकी नाम युवा

वनडे पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने

का रिकॉर्ड है। उन्होंने दिसंबर में दुबई

में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाड़ी

अपने ही 14 छक्कों के रिकॉर्ड को

पीछे छोड़ दिया। सूर्यवंशी के नाम अब

अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज 150

रन (71 गेंद में) बनाने का रिकॉर्ड भी

है। उन्होंने टूर्नामेंट में पहले इसी मैदान

पर इंग्लैंड के बेन मेयर्स के रिकॉर्ड को

बेहतर बनाया जिन्होंने 98 गेंद में 150



जीत का जश मनाती भारतीय टीम।

रन बनाए थे। सूर्यवंशी के दबदबे का

अंदाज इससे ही लग जाता है कि उनके

100 से 150 रन तक हूंचने के दौरान

दूसरे छोर पर खड़े बेदांत त्रिवेदी ने सिर्फ

में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाड़ी

अपने ही 14 छक्कों के रिकॉर्ड को

पीछे छोड़ दिया। सूर्यवंशी के नाम अब

अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज 150

रन (71 गेंद में) बनाने का रिकॉर्ड भी

है। उन्होंने टूर्नामेंट में पहले इसी मैदान

पर इंग्लैंड के बेन मेयर्स के रिकॉर्ड को

बेहतर बनाया जिन्होंने 98 गेंद में 150

बाद 26वें ओवर में मैनी लास्सडेन की

शॉट गेंद को स्कूप करने की कोशिश

में आउट हो गया। विकेटकीपर और मैस

रियु ने उनका कैट लपका। इंग्लैंड के

खिलाड़ी सूर्यवंशी को ऐसी पारी पर

बढ़ाई देने के लिए उनकी ओर दौड़े जा

विकेट कप फाइनल में अक्सर देखने की

नहीं मिलती। सूर्यवंशी ने अपने कप्तान

आयुष महाने (51 गेंद में 53 रन) के

जमकर धूमांड की लेकिन बाएं हाथ के

साथ सिर्फ 19 ओवर में 142 रन बनाए।

महाने अपना अर्धशतक पूरा करने के

फिरहाद अहमद पर क्रमशः 27 और 22

रन बनाए।

बीसीसीआई ने की सराहना

नहीं दिल्ली। भारतीय क्रिकेट क्रिकेट बोर्ड

(बीसीसीआई) ने इंग्लैंड को फाइनल में 100

रन के बड़े अंतर से हराकर आईसीसी अंडर-

19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का खिलाफ

नहीं कर सकता, लेकिन पिछे से

सात-आठ महीनों से जिस तरह हम सभी

भारतीय खिलाड़ी ने कैपी भारतीय पुरुष टीम को बधाई दी

है। इस जीत के साथ सर्वोच्च रूप से खिलाड़ी भी बन गए हैं।

उन्होंने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की

जमकर धूमांड की लेकिन बाएं हाथ के

स्पिनर राल्फी अल्बर्ट और ऑफ-स्पिनर

फरहाद अहमद पर क्रमशः 27 और 22

रन बनाए।

175

रन

80

गेंद

15

चौके

15

छक्के

वैभव सूर्यवंशी।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।